UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

राजनीति विज्ञान

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

राजनीति विज्ञान (11)

MODEL PAPER 5 (RBSE)

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पी प्रश्न -

(i) बर्लिन की दीवार किस वर्ष बनाई गई थी? [1]
(अ) 1950 (ब) 1961
(स) 1971 (द) 1981

(ii) सोवियत संघ ने किस देश में 1979 में हस्तक्षेप किया? [1]
(अ) अफगानिस्तान (ब) पाकिस्तान
(स) कजाकिस्तान (द) तुर्कमेनिस्तान

(iii) सोवियत संघ की समाप्ति के पश्चात् रूस के किन दो गणराज्यों में हिंसक अलगाववादी आंदोलन चले? [1]
(अ) चेचन्या और दागिस्तान (ब) मास्को, तुर्कमेनिस्तान
(स) उज़बेकिस्तान, अजरबैज़ान (द) यूक्रेन, किरगिझस्तान

(iv) "फरक्का संधि" का संबंध किन दो देशों से है? [1]
(अ) भारत - पाकिस्तान (ब) भारत - बांग्लादेश
(स) भारत - श्रीलंका (द) भारत – नेपाल

(v) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों की कुल संख्या कितनी है। [1]
(अ) 10 (ब) 15
(स) 20 (द) 25

(vi) एंटी बैलेस्टिक संधि कब संपन्न हुई थी? [1]
(अ) 1950 (ब) 1960
(स) 1970 (द) 1972

(vii) PRI पार्टी का संबंध निम्नलिखित में से किस देश से है? [1]
(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका (ब) सीरिया
(स) क्यूबा (द) मैक्सिको

(viii) भारत ने स्वतंत्रता के पश्चात् नियोजित विकास का मॉडल किस देश से अपनाया। [1]
(अ) ब्रिटेन (ब) अमेरिका
(स) सोवियत संघ (द) फ्रांस

(ix) 1965 के युद्ध के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच किस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे? [1]
(अ) शिमला समझौता (ब) ढाका समझौता
(स) काठमांडू समझौता (द) ताशकंद समझौता

(x) 1974 की रेल हड़ताल का नेतृत्व किसने किया? [1]
(अ) जयप्रकाश नारायण (ब) राम मनोहर लोहिया
(स) मोरारजी देसाई (द) जॉर्ज फ्रर्नांडिस

(xi) ऑपरेशन ब्लू स्टार का सम्बन्ध किस राज्य से है? [1]
(अ) राजस्थान (ब) पंजाब
(स) असम (द) जम्मू एवं कश्मीर

(xii) 1989 की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के प्रधानमंत्री थे- [1]
(अ) वी पी सिंह (ब) चंद्रशेखर
(स) नरसिम्हा राव (द) एच डी देवेगोड़ा

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(i) द्वितीय विश्व युद्ध के समय _____में जापान व इटली शामिल थे। [1]

(ii) एमनेस्टी इंटरनेशनल एक स्वयंसेवी संगठन है। यह पूरे विश्व में _____ की रक्षा के लिए अभियान चलाता है। [1]

(iii) _____ का गठन 15 मार्च 1950 को केंद्र सरकार के प्रस्ताव द्वारा किया गया था। [1]

(iv) 1950 में चीन ने _____पर अपना आधिपत्य स्थापित किया जबकि भारत ने इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। [1]

(v) 1967 में पश्चिम बंगाल में _____ के नेतृत्व में नक्सलवादी आंदोलन प्रारंभ हुआ। [1]

(vi) 1985 का _____ मामला एक 62 वर्षीय तलाकशुदा मुस्लिम महिला से है। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) सोवियत संघ के पतन (विघटन) के कोई दो कारण लिखिए। [1]

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

(ii) द्वितीय विश्व युद्ध के समय सोवियत संघ का नेतृत्व किस सोवियत नेता के पास था? [1]

(iii) मार्क्सवाद के असाधारण सिद्धांतकार के रूप में किसे जाना जाता है? [1]

(iv) 1991 में मिखाइल गोर्बाचेव के तख्तापलट के असफल प्रयास का विरोधकर कौन राष्ट्रीय नेता के रूप में उभरा? [1]

(v) 1990 में इराक के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ ने सैनिक कार्यवाही क्यों की? [1]

(vi) अमेरिका के किस राष्ट्रपति ने प्रथम खाड़ी युद्ध को 'नयी विश्व व्यवस्था' कहकर पुकारा? [1]

(vii) किन देशों पर सर्वाधिक ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन का आरोप लगाया जाता है? [1]

(viii) 'अवर कॉन फ्यूचर' शीर्षक बर्टलैंड रिपोर्ट-1987 में किस बात के लिए चेताया गया? [1]

(ix) वामपंथियों द्वारा वैश्वीकरण की आलोचना किस आधार पर की जाती है? [1]

(x) वैश्वीकरण के संबंध में संरक्षणवाद क्या है? [1]

(xi) सूचना के अधिकार आंदोलन का नेतृत्व किसके द्वारा किया गया था? [1]

(xii) कर्नाटक और महाराष्ट्र के किसान संगठनों के नाम बताइए? [1]

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

4. अमेरिकी वर्चस्व के रास्ते में कौन-कौनसे अवरोध हो सकते है? वर्णन कीजिए। [2]

5. भारत व चीन के बीच संबंधों के विवाद में तिब्बत की क्या भूमिका रही है? [2]

6. नेपाल में त्रिकोणीय संघर्ष पर टिप्पणी लिखिए। [2]

7. अंतर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता के कोई दो कारण लिखिए। [2]

8. शक्ति संतुलन किस प्रकार परंपरागत सुरक्षा का एक घटक है? [2]

9. ओजोन परत में छेद से क्या नुकसान हो सकता है और इसे कैसे रोका जा सकता है? (RBSE - 2016) [2]

10. यह कथन कहाँ तक उचित है कि वैश्वीकरण राज्य की सम्प्रभुता का हनन करता है? [2]

11. स्वतंत्र पार्टी कि आर्थिक विचारधारा पर प्रकाश डालिए। [2]

12. इंदिरा गांधी प्रथम बार प्रधानमंत्री कब व कैसे बनी? [2]

13. 1969 का राष्ट्रपति चुनाव में किस मामले में अन्य राष्ट्रपति चुनावों से विशेष है? [2]

14. नर्मदा बचाओं आंदोलन के अंतर्गत नर्मदा नदी पर बनाये जाने वाले बांधों का विरोध किन कारणों से किया गया? [2]

15. मिजो अलगाववादी आंदोलन के संदर्भ में राजीव गांधी - लालडेंगा समझौते पर टिप्पणी लिखिए। [2]

16. ऑल असम स्टूडेंस यूनियन (आसू) की प्रमुख मांगे क्या थी? [2]

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

17. 'केरल मॉडल' क्या था? [3]

18. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए। [3]

19. सन् 1974 की रेल हड़ताल क्यों हुई ? इसके क्या परिणाम हुए? [3]

20. अयोध्या विवाद क्या था? इस विवाद ने 1990 के दशक में सांम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न करने में किस प्रकार भूमिका निभाई [3]

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न - (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

21. शीतयुद्ध के आपका क्या अभिप्राय है? इसके प्रभाव क्षेत्र में कौन-कौनसे देश थे? [4]

अथवा

गुटनिरपेक्ष आंदोलन का जन्म किन परिस्थितियों में हुआ? वर्तमान में इसकी प्रांसगिकता को समझाइये।

22. भारत-चीन संबंधों पर प्रकाश डालिए। [4]

अथवा

'द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् साम्यवाद के खतरे से यूरोप को बचाने के लिए अमेरिका ने यूरोपीय संघ का गठन किया।' इस कथन को प्रमाणित करते हुए यूरोप संघ की गठन प्रक्रिया को समझाइये।

23. राज्य पुनर्गठन आयोग का क्या कार्य था? इसकी प्रमुख सिफारिशों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। [4]

अथवा

भारत विभाजन में आयी कठिनाइयों की विवेचना कीजिए।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

उत्तरमाला मॉडल पेपर -05

खण्ड-"अ"

1. बहुविकल्पीय प्रश्न -

(i) [ब]
1961 में बर्लिन की दीवार बनाकर जर्मनी को पूर्वी जर्मनी व पश्चिमी जर्मनी में विभाजित कर दिया गया।

(ii) [अ]
1979 में सोवियत संघ के तत्कालीन राष्ट्रपति लियोनेड ब्रेझनेव ने अफगानिस्तान पर नियंत्रण प्राप्त करने के उद्देश्य से अपनी सेना अफगानिस्तान में भेजी।

(iii) [अ]
सोवियत संघ की समाप्ति के पश्चात् रूस के चेचन्या व दागिस्तान गणराज्यों में हिंसक अलगाववादी आंदोलन हुए।

(iv) [ब]
फरक्का संधि का संबंध भारत व बांग्लादेश से हैं। यह संधि गंगा नदी के जल विवाद को समाप्त करने के लिए 1996 में नरसिम्हा राव व शेख हसीना के बीच संपन्न हुई।

(v) [ब]
अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के न्यायाधीशों की कुल संख्या 15 हैं। इनका कार्यकाल 9 वर्ष का होता है।

(vi) [द]
1972 में एंटी बैलेस्टिक संधि (परमाणु मिसाइल परिसीमन संधि) संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत संघ के बीच संपन्न हुई।

(vii) [द]
PRI - इंस्टीट्यूशनल रिवोल्यूशनरी पार्टी का संबंध मैक्सिकों से हैं। इस पार्टी के संस्थापक के रूप में इलियास कैलस को जाना जाता है

(viii) [स]
भारत ने स्वतंत्रता के पश्चात नियोजित विकास की राजनीति को अपनाते हुए सोवियत संघ से प्रेरित समाजवादी मॉडल को अपनाया जिसके अंतर्गत महत्वपूर्ण आर्थिक क्षेत्रों पर सरकार का नियंत्रण था जबकि शेष निजी क्षेत्र थे।

(ix) [द]
1965 के युद्ध के पश्चात् भारत व पाकिस्तान के बीच 10 जनवरी 1966 को ताशकंद (उज्ज़बेकिस्तान) समझौता संपन्न हुआ।

(x) [द]
1974 की रेल हड़ताल जॉर्ज फ्रर्नांडिस के नेतृत्व में हुई।

(xi) [ब]
पंजाब में खालिस्तान की मांग को लेकर उठे हिसंक आंदोलन को कुचलने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' चलाया।

(xii) [अ]
1989 में राष्ट्रीय मोर्चा सरकार का गठन प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया तथा इस सरकार के दूसरे प्रधानमंत्री चंद्रशेखर थे।

2. रिक्त स्थान की पूर्ति -

(i) धुरी राष्ट्रों
(ii) मानवाधिकारों
(iii) योजना आयोग
(iv) तिब्बत
(v) चारू मजूमदार
(vi) शाहबानों

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न -

(i) 1. लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आकांक्षाएँ पुरी नही हो पाई।
2. कई वर्षों से सोवियत अर्थव्यवस्था गतिरूद्ध थी तथा उपभोक्ता वस्तुओं की कमी हो गई थी।
(ii) जोसेफ स्टालिन
(iii) व्लादीमिर लेनिन
(iv) बोरिस येल्तसिन
(v) इराक ने कुवैत पर अधिकार कर लिया था।
(vi) जॉर्ज ब्रुश सीनियर
(vii) पश्चिमी देशों पर
(viii) आर्थिक विकास के चालू तौर तरीकों के स्थान पर टिकाऊ विकास
(ix) वर्तमान वैश्वीकरण की अवधारणा अमीरो को अधिक अमीर तथा गरीबों को और अधिक गरीब बनाती है।
(x) अपने उद्योग – धंधों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बाहरी या विदेशी कंपनियों के आगमन पर रोक।
(xi) इस आंदोलन का प्रारंभ 1990 में हुआ तथा इसका नेतृत्व मजदूर किसान शक्ति संगठन द्वारा किया गया।
(xii) कर्नाटक का रैयत संघ और महाराष्ट्र का शेतकारी संगठन।

खण्ड-"ब"

लघूत्तरात्मक प्रश्न -

4. प्रथम बाधा स्वयं अमरीका की संस्थागत बुनावट है। यहाँ शासन के तीन अंगों के बीच शक्ति का बँटवारा है और यही बुनावट कार्यपालिका द्वारा सैन्य शक्ति के बेलगाम इस्तेमाल पर अंकुश लगाने का काम करती है। दूसरी बाधा अमरीकी लोगों की उन्मुक्त प्रकृति हैं तथा तीसरी बाधा नाटो है। नाटो के देश अमेरिका की मनमर्जी के विरूद्ध अपने हितों के पूरा न होने पर विरोध कर सकते है।

5. 1950 में तिब्बत पर चीन ने अधिकार कर लिया तथा तिब्बत के लोगों पर चीनी संस्कृति को थोपा गया। तिब्बत के बौद्ध धर्म गुरू दलाईलामा ने 1959 में भारत में शरण ली। चीन ने इसे चीनी

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

संप्रभुता के विरूद्ध बताया जबकि भारत ने अतिथि देवो भव के आधार पर दलाई लामा को शरण देना माना। चीन ने आगे चलकर 1962 में भारत पर आक्रमण कर दिया।

6. 1990 के दशक में माओवादी राजा तथा सत्ताधारी अभिजन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह करना चाहते थे। इस कारण राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थकों तथा माओवादियों के बीच त्रिकोणीय संघर्ष चला। परिणामस्वरूप 2002 में राजा ने संसद को भंग कर दिया।

7. अंतर्राष्ट्रीय संगठन युद्ध को रोक कर शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा यह विश्व के सभी देशों को सहायता कर बेहतर जीवन स्तर प्रदान करने में सहायता करता है। वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग जैसे अंतर्राष्ट्रीय संकटों का सामना करने में भी अंतर्राष्ट्रीय संगठन जैसे - UNO की भूमिका महत्वपूर्ण है।

8. शक्ति संतुलन का अर्थ है दो गुटों या दो देशों के बीच में शक्ति का संतुलन बने रहना जिससे युद्ध की संभावना कम हो। प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध से पहले राष्ट्रों का संधियों में बन्धे होना शक्ति संतुलन का ही उदाहरण है। जब कोई राष्ट्र अधिक शक्तिशाली होता है जो पड़ोसी राष्ट्र के लिए खतरा हो तो दूसरे देश कमजोर राष्ट्र के साथ सहयोग करके शक्ति संतुलन स्थापित करने की कोशिश करते हैं।

9. ओजोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणों को धरती पर सीधा पहुंचने से रोकती है जिससे धरती का तापमान जीव जंतुओं के अनुकूल बना रहता है। ओजोन परत में छेद से धरती पर तापमान में निरंतर वृद्धि होती जा रही है इसे रोकने के लिए जहरीली गैसों जैसे कार्बन डाइऑक्साइड, क्लोरोफ्लोरोकार्बन, मिथेन इत्यादि के उत्सर्जन को रोकना होगा।

10. **वैश्वीकरण के कारण -** राज्य का कल्याणकारी स्वरूप परिवर्तित हो रहा है और बाजार शक्तियाँ अत्यधिक प्रतिस्पर्धा को उत्पन्न कर रही हैं। अत: यह कहना उचित है कि वैश्वीकरण राज्य की सम्प्रभुता का हनन करता है। राज्य सरकारें बाजार शक्तियों के समक्ष अपनी संप्रभुता खोती जा रही है। स्वतंत्र विदेश नीति के स्थान पर बाजार आधारित विदेश नीति को अपनाने के लिए राज्य सरकारे बाध्य है।

11. स्वतंत्र पार्टी का जन्म 1959 में हुआ था। सी राजगोपालाचारी को इस पार्टी का जन्मदाता माना जाता है। इस पार्टी ने राज्य के अहस्तक्षेपवादी सिद्धांत का समर्थन किया अर्थात आर्थिक क्षेत्र में राज्य को कम से कम हस्तक्षेप करना चाहिए। इस पार्टी ने निजी क्षेत्र को खुली छूट की तरफदारी की। इस पार्टी ने सहकारी खेती तथा खाद्यान्न के व्यापार पर सरकारी नियंत्रण का विरोध किया। इस पार्टी ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर किए जा रहे कर निर्धारण का भी विरोध किया।

12. लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के पश्चात प्रधानमंत्री के रिक्त पद पर आसीन होने के लिए इंदिरा गांधी ने अपने प्रतिद्वंदी मोरारजी देसाई को गुप्त मतदान के माध्यम से दो तिहाई बहुमत प्राप्त कर पराजित किया तथा 1966 में प्रथम बार प्रधानमंत्री बनी।

13. 1969 के राष्ट्रपति चुनाव में वी वी गिरि ने नीलम संजीव रेड्डी को पराजित किया। नीलम संजीव रेड्डी कांग्रेस के अधिकारिक उम्मीदवार थे जबकि वीवी गिरी को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में इंदिरा गांधी के द्वारा प्रत्याशी बनाया गया था। इंदिरा गांधी के आह्वान पर कांग्रेस पार्टी के इंदिरा समर्थक सांसदों तथा विधायकों ने वी.वी. गिरी को वोट दिया और वे चुनाव जीत गए। इस घटना से कांग्रेस का विभाजन हो गया।

14. लगभग 245 गाँव डूब की चपेट में थे तथा ढाई लाख लोगों के विस्थापन का संकट था। पर्यावरण प्रेमी तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस परियोजना का विरोध करते हुए मांग की कि सरकार को ऐसी परियोजना को प्रांरभ करने से पूर्व स्थानीय विस्थापन व पुर्नवास की नीति बनानी चाहिए।

15. 1986 में राजीव गाँधी और लालडेंगा (मिजो नेशनल फ्रंट के नेता) के बीच एक समझौता हुआ। इस समझौते के अंतर्गत मिजोरम को पूर्ण राज्य का दर्जा मिला और उसे कुछ विशेषाधिकार दिए गए। लालडेंगा मुख्यमंत्री बने और मिजो नेशनल फ्रंट धारा की राजनीति में शामिल हुआ। इस तरह इस समस्या का समाधान हुआ।

16. सन् 1979 में ऑल असम स्टूडेन्ट्स यूनियन (आसू AASU) ने विदेशियों के विरोध में एक आन्दोलन चलाया। 'आसू' एक छात्र-संगठन था तथा इसका जुड़ाव किसी भी राजनीतिक दल से नहीं था। 'आसू' का आन्दोलन अवैध आप्रवासी, बंगाली और अन्य लोगों के प्रभुत्व तथा मतदाता सूची में लाखों आप्रवासियों के नाम दर्ज कर लेने के विरुद्ध था। आन्दोलन की माँग थी कि सन् 1951 के बाद जितने भी लोग असम में आकर बसे हैं उन्हें असम से बाहर भेजा जाए।

खण्ड-"स"

दीर्घउत्तरीय प्रश्न -

17. विकेंद्रीकृत या विकेंद्रित नियोजन के द्वारा लोगों को स्वंयसेवी नागरिक संगठनों के माध्यम से विकास की गतिविधियों में सीधे शामिल किया जाता है। इसमें पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर की योजनाएं तैयार की जाती हैं। 'केरल मॉडल' राज्य स्तर पर विकेंद्रित नियोजन का एक उदाहरण है -

- यह केरल द्वारा नियोजन व विकास नीतियों के लिए उठाया गया कदम हैं।
- यह शिक्षा, स्वास्थ्य, भूमि-सुधार, प्रभावशाली अन्न-वितरण और गरीब-उन्मूलन को लक्ष्य करती है।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

- केरल में इस बात के भी प्रयास किए गए कि लोग पंचायत, प्रखण्ड और जिला स्तर की योजनाओं को तैयार करने में शमिल हों।

18. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्त निम्नलिखित हैं -
- गुटनिरपेक्षता की नीति।
- पंचशील।
- निःशस्त्रीकरण।
- अंतर्राष्ट्रीय संगठन जैसे संयुक्त राष्ट्र संघ को पूरी निष्ठा के साथ सहयोग देना।
- अंतर्राष्ट्रीय सामान्य समस्याओं के लिए अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए पूरा सहयोग देना।
- अपने पड़ोसी देशों के साथ-साथ विश्व की महाशक्तियों से भी अच्छे सम्बन्ध बनाए रखना।

19. सन् 1974 में रेलवे कर्मचारियों के संघर्ष से सम्बन्धित राष्ट्रीय समन्वय समिति ने जॉर्ज फर्नान्डिस के नेतृत्व में रेलवे कर्मचारियों की एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। बोनस और सेवा से जुड़ी शर्तों के सम्बन्ध में अपनी मांगों को लेकर सरकार पर दवाब बनाने के लिए इस हड़ताल का आह्वान किया गया था। सरकार इन माँगों के खिलाफ थी। ऐसे में भारत के इस सबसे बड़े सार्वजनिक उद्यम के कर्मचारी मई 1974 में हड़ताल पर चले गए।

रेल हड़ताल के परिणाम-रेलवे कर्मचारियों की हड़ताल से मजदूरों के असंतोष को बढ़ावा मिला। इस हड़ताल से मजदूरों के अधिकार जैसे मसले तो उठे ही, साथ ही यह सवाल भी उठा कि आवश्यक सेवाओं से जुड़े हुए कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर सकते हैं या नहीं। सरकार ने इस हड़ताल को अवैधानिक करार दिया। सरकार ने हड़ताली कर्मचारियों की माँगों को मानने से इन्कार कर दिया। उसने इसके कई नेताओं को गिरफ्तार किया और रेल लाइनों की सुरक्षा में सेना को तैनात कर दिया। ऐसे में 20 दिन के बाद यह हड़ताल बिना किसी समझौते के वापस ले ली गई।

20. 16वीं शताब्दी में बाबर के सिपहसलार मीर बाकी द्वारा राम मंदिर को तोड़कर बाबरी मस्जिद का निर्माण किया गया था। 1940 के दशक तक इस मस्जिद पर ताला लगा हुआ था। 1990 के दशक में भारतीय जनता पार्टी ने हिंदुत्व के मुद्दे के आधार पर लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में रथ यात्रा का आयोजन किया। इसमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विश्व हिंदु परिषद ने भी सहयोग किया। इस दौरान रामभक्तों से आह्वान किया कि वे राम मंदिर के निर्माण में श्रम दान करे। 6 दिसम्बर 1992 को पूरे भारत से रामभक्त अयोध्या पहुँचे तथा विवादित बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया जिसके परिणामस्वरूप उत्तरप्रदेश की कल्याण सिंह सरकार को भंग किया गया। इस घटना के पश्चात पूरे भारत में हिंदु – मुस्लिम सांप्रदायिक तनाव बढ़ा जो लगभग एक दशक तक चलता रहा।

खण्ड-"द"

निबन्धात्मक प्रश्न :- (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

21. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात् संयुक्त राज्य अमेरिका व सोवियत संघ दो महाशक्तियों के रूप में उभरे। अमेरिका ने पूँजीवाद तथा सोवियत संघ ने साम्यवाद का नेतृत्व किया। सोवियत संघ ने द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात साम्यवाद के प्रचार व प्रसार की नीति का अनुसरण किया जिसके परिणामस्वरूप पूँजीवाद व साम्यवाद के बीच वैचारिक द्वंद्व का जन्म हुआ जिसे शीतयुद्ध के नाम से जाना जाता हैं। इस दौरान विश्व दो खेमों में विभक्त हुआ तथा महाशक्तियों ने एक-दुसरे पर वैचारिक तीर दागे अत: इसे कागजी गोलों से लड़ा गया युद्ध भी कहा जाता है। यद्यपि इस दौरान दोनों महाशक्तियों के बीच सीधा सैन्य संघर्ष नहीं हुआ लेकिन फिर भी यह किसी भी शस्त्र युद्ध से अधिक घातक था। क्योंकि इस समय सशस्त्रीकरण की होड़ अत्यधिक तीव्र हो गई थी।

शीतयुद्ध के प्रभाव क्षेत्र - शीतयुद्ध के दौरान अनेक संकट उभरे इनमें क्युबा मिसाइल संकट सबसे अधिक भयावह था जब दोनों महाशक्तियों के बीच सीधा शस्त्र युद्ध प्रारंभ हो सकता था। 1961 में अमेरिका ने अपने पड़ोसी साम्यवादी देश क्यूबा में फिदेल कास्त्रों की सरकार का तख्ता पलटने के लिए बे-ऑफ पिग्स नामक प्रयोजित अभियान प्रारंभ किया। इसका पता चलते ही सोवियत संघ के नेता निकिता खुश्चेव ने क्युबा में परमाणु मिसाइल तैनात कर दी जिससे दोनों देशों के बीच परमाणु युद्ध जैसे हालात उत्पन्न गए। दोनों देशों ने आपसी बातचीत के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकाला। 1950-53 के बीच उतर कोरिया व दक्षिण कोरिया के बीच निरंतर सैन्य संघर्ष चला। उतर कोरिया को सोवियत संघ व चीन जैसे देश सैन्य व आर्थिक सहयोग कर रहे थे जबकि दक्षिण कोरिया को अमेरिका व ब्रिटेन का सहयोग प्राप्त था। 1958-62 जर्मनी में पूँजीवादी व साम्यवादी समूहों के बीच निरंतर संघर्ष चला। 1961 में बर्लिन की दीवार खड़ी कर जर्मनी को पश्चिमी जर्मनी व पूर्वी जर्मनी में विभाजित किया गया। पश्चिमी जर्मनी को पूँजीवादी खेमें का समर्थन प्राप्त था तथा पूर्वी जर्मनी को साम्यवादी खेमें का समर्थन प्राप्त था। 1960 के दशक के प्रारंभ में अफ्रीकी देश कांगो में गृहयुद्ध प्रांरभ हुआ जो लगभग 5 वर्षों तक चला।

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात विश्व पूँजीवाद व साम्यवाद के बीच विभाजित था। 1940 के दशक में एशिया में नवीन स्वतंत्र देशों का उद्भव हुआ। इसी क्रम में अलगे दो दशक में अफ्रीकी व लेटिन

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

अमरीकी देश भी उपनिवेशवाद से स्वतंत्र हुए। इन सभी देशों पर पूँजीवादी व साम्यवादी दोनों में से किसी एक गुट में शामिल होने का दबाव था ऐसे में भारत, मिश्र व युगोस्लाविया के नेता नेहरू, नासिर व टीटो ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन को जन्म दिया। गुटनिरपेक्षता का अर्थ किसी भी गुट में शामिल न होकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करना है। गुटनिरपेक्षता का अभिप्राय शीतयुद्धकालीन पूँजीवादी व साम्यवादी खेमों से पृथक रहना था तथा शीतयुद्ध को रोकना था। 1991 में साम्यवादी खेमें के पतन के साथ शीतयुद्ध का अंत हुआ। शीतयुद्ध की समाप्ति के पश्चात् गुटनिरपेक्षता के अनेक आलोचकों ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन को समाप्त किए जाने की वकालत की। इन आलोचकों का कहना था कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन का जन्म शीतयुद्ध कालीन परिस्थितियों में हुआ था लेकिन जब शीतयुद्ध ही समाप्त हो गया है तो इस आंदोलन को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। गुटनिरपेक्ष आंदोलन के समर्थकों का मानना है कि आज भी गुटनिरपेक्ष आंदोलन अनेक कारणों से प्रांसगिक हैं - आतंकवाद, पर्यावरण संकट जैसे खतरों से निपटने के लिए गुटनिरपेक्ष देशों का आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हैं। गुटनिरपेक्ष आंदोलन में वर्तमान समय में 120 सदस्य हैं जो कि संयुक्त राष्ट्र के पश्चात गुटनिरपेक्ष आंदोलन को सबसे शक्तिशाली संगठन के रूप में पेश करते हैं। वर्तमान समय में विकसित व विकासशील देशों के बीच चल रहे भेद में गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक दबाव समूह की भूमिका निभाता है क्योंकि इस आंदोलन में विकासशील देशों की संख्या अधिक है। आज भी विकासशील देश आपसी सहयोग के माध्यम से विकसित देशों की मनमानी पर नियंत्रण लगा पाने में सक्षम हैं। वर्तमान समय में एक बार फिर विश्व दुसरे शीतयुद्ध की तरफ अग्रसर हो रहा है जिसमें एक बार पुन: अमेरिका के खिलाफ सोवियत संघ, चीन, उतर कोरिया जैसे देश हैं। ऐसी परिस्थितियों में गुटनिरपेक्ष आंदोलन एक बार पुन: शीतयुद्ध पर लगाम कसने में महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता हैं।

22. चीन के साथ भारत के संबंध -

अंग्रेजी राज से भारत के आज़ाद होने और चीन द्वारा विदेशी शक्तियों को निकाल बाहर करने के बाद यह उम्मीद जगी थी कि ये दोनों मुल्क साथ आकर विकासशील दुनिया और खास तौर से एशिया के भविष्य को तय करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कुछ समय के लिए 'हिंदी चीनी, भाई-भाई' का नारा भी लोकप्रिय हुआ। सीमा विवाद पर चले सैन्य संघर्ष ने इस उम्मीद को समाप्त कर दिया। आज़ादी के तत्काल बाद 1950 में चीन द्वारा तिब्बत को हड़पने तथा भारत-चीन सीमा पर बस्तियाँ बनाने के फैसले से दोनों देशों के बीच संबंध एकदम गड़बड़ हो गए। भारत और चीन दोनों देश अरुणाचल प्रदेश के कुछ इलाकों और लद्दाख के अक्साई चिन क्षेत्र पर प्रतिस्पर्धी दावों के चलते 1962 में लड़ पड़े।

1962 के युद्ध में भारत को सैनिक पराजय झेलनी पड़ी और भारत-चीन सम्बन्धों पर इसका दीर्घकालिक असर हुआ। 1976 तक दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध समाप्त ही रहे। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों के बीच सम्बन्धों में सुधार शुरू हुआ। 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में चीन का राजनीतिक नेतृत्व बदला। चीन की नीति में भी अब वैचारिक मुद्दों की जगह व्यावहारिक मुद्दे प्रमुख होते गए इसलिए चीन भारत के साथ संबंध सुधारने के लिए विवादास्पद मामलों को छोड़ने को तैयार हो गया। 1981 में सीमा विवादों को दूर करने के लिए वार्ताओं की श्रृंखला भी शुरू की गई।

शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद से भारत-चीन संबंधों में महत्त्वपूर्ण बदलाव आया है। अब इनके संबंधों का राजनीतिक ही नहीं, आर्थिक पहलू भी है। दोनों ही खुद को विश्व राजनीति की उभरती शक्ति मानते हैं और दोनों ही एशिया की अर्थव्यवस्था और राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहेंगे। दिसम्बर 1988 में राजीव गांधी द्वारा चीन का दौरा करने से भारत-चीन सम्बन्धों को सुधारने के प्रयासों को बढ़ावा मिला। इसके बाद से दोनों देशों ने टकराव टालने और सीमा पर शांति और यथास्थिति बनाए रखने के उपायों की शुरुआत की है। दोनों देशों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में परस्पर सहयोग और व्यापार के लिए सीमा पर चार पोस्ट खोलने के समझौते भी किए हैं। 1999 से भारत और चीन के बीच व्यापार 30 फीसदी सालाना की दर से बढ़ रहा है। इससे चीन के साथ संबंधों में नयी गर्मजोशी आयी है। चीन और भारत के बीच 1992 में 33 करोड़ 80 लाख डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था जो 2017 में बढ़कर 84 अरब डॉलर का हो चुका है। हाल में, दोनों देश ऐसे मसलों पर भी सहयोग करने के लिए राजी हुए हैं जिनसे दोनों के बीच विभेद पैदा हो सकते थे. जैसे विदेशों में ऊर्जा सौदा - हासिल करने का मामला।

अथवा

जब दूसरा विश्व युद्ध समाप्त हुआ तब यूरोप के अनेक नेता 'यूरोप के सवालों' को लेकर परेशान रहे। क्या यूरोप को अपनी पुरानी दुश्मनियों को फिर से शुरू करना चाहिए या अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में सकारात्मक योगदान करने वाले सिद्धांतों और संस्थाओं के आधार पर उसे अपने संबंधों को नए सिरे से बनाना चाहिए? दूसरे विश्वयुद्ध ने उन अनेक मान्यताओं और व्यवस्थाओं को ध्वस्त कर दिया जिसके आधार पर यूरोपीय देशों के आपसी संबंध बने थे। 1945 तक यूरोपीय देशों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं की बर्बादी तो झेली ही, उन मान्यताओं और व्यवस्थाओं को ध्वस्त होते भी देख लिया जिन पर यूरोप खड़ा हुआ था।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

1945 के बाद यूरोप के देशों में मेल-मिलाप को शीतयुद्ध से भी मदद मिली। अमरीका ने यूरोप की अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन के लिए जबरदस्त मदद की। इसे मार्शल योजना के नाम से जाना जाता है। अमेरिका ने 'नाटो' के तहत एक सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को जन्म दिया। मार्शल योजना के तहत ही 1948 में यूरोपीय आर्थिक सहयोग संगठन की स्थापना की गई जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों को आर्थिक मदद दी गई। यह एक ऐसा मंच बन गया जिसके माध्यम से पश्चिमी यूरोप के देशों ने व्यापार और आर्थिक मामलों में एक-दूसरे की मदद शुरू की। 1949 में गठित यूरोपीय परिषद् राजनीतिक सहयोग के मामले में एक अगला कदम साबित हुई। यूरोप के पूंजीवादी देशों की अर्थव्यवस्था के आपसी एकीकरण की प्रक्रिया चरणबद्ध ढंग से आगे बढ़ी। 1951 में पश्चिमी यूरोप के 6 देश फ्रांस, पश्चिमी जर्मनी, इटली, बेल्जियम, नीदरलैण्ड, लज्मबर्ग ने पेरिस संधि के माध्यम से यूरोपीय कोयला और इस्पात समुदाय का गठन किया। 1957 में रोम की संधि के माध्यम से यूरोपीयन आर्थिक समुदाय (EEC) तथा यूरोपीय एटमी समुदाय (Euratom) का गठन किया गया। यूरोपीयन पार्लियामेंट के गठन के बाद इस प्रक्रिया ने राजनीतिक स्वरूप प्राप्त कर लिया। सोवियत गुट के पतन के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आयी और 1992 में इस प्रक्रिया की परिणति यूरोपीय संघ की स्थापना के रूप में हुई। यूरोपीय संघ के रूप में समान विदेश और सुरक्षा नीति, आंतरिक मामलों तथा न्याय से जुड़े मुद्दों पर सहयोग और एकसमान मुद्रा के चलन के लिए रास्ता तैयार हो गया। यूरोपीय संघ के गठन के समय 12 देश इसके सदस्य थे। 2004 में साइप्रस चेक गणराज्य, स्टोनिया, हंगरी, लताविया, लिथुआनिया, माल्टा, पोलैण्ड, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया यूरोपीय संघ में शामिल हुए। 2007 में बुल्गारिया व रोमानिया शामिल हुए। 2013 में क्रोएशिया यूरोपीय संघ 28 वाँ सदस्य बना तथा 2016 में ब्रिटेन ब्रेक्जिट के पश्चात यूरोपीय संघ से अलग हो गया।

23. सन् 1952 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने दिसम्बर 1952 में आंध्र प्रदेश नाम से अलग राज्य बनाने की घोषणा की। आन्ध्र प्रदेश के गठन के साथ ही देश के अन्य हिस्सों में भी भाषाई आधार पर राज्यों को गठित करने का संघर्ष प्रारम्भ हो गया। इन संघर्षों के कारण तत्कालीन केन्द्र सरकार ने 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग बनाया। राज्य पुनर्गठन आयोग का प्रमुख कार्य राज्यों के सीमांकन के सम्बन्ध में गौर करना था। इसने अपनी रिपोर्ट में स्वीकार किया कि राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहाँ बोली जाने वाली भाषा के आधार पर होना चाहिए। भाषाई और सांस्कृतिक सजातीयता का ध्यान रखा जाए। वित्तीय तथा प्रशासनिक विषयों की ओर उचित ध्यान दिया जाए।

इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित हुआ। इस अधिनियम के आधार पर 14 राज्य और 6 केन्द्र - शासित प्रदेश बनाए गए। स्वतंत्रता के बाद के प्रारम्भिक वर्षों में एक बड़ी चिन्ता यह थी कि अलग राज्य बनाने की मांग से देश की एकता व अखण्डता खतरे में पड़ जाएगी। आशंका यह भी थी कि नए भाषाई राज्यों में अलगाववाद की भावना पनपेगी व नव-निर्मित भारतीय राष्ट्र पर दबाव बढ़ेगा।

परन्तु जनता के दबाव में सरकार ने अंततः भाषा के आधार पर पुनर्गठन का मन बनाया। इसके अलावा क्षेत्रीय मांगों को मानना तथा भाषा के आधार पर नए राज्यों का गठन करना एक लोकतांत्रिक कदम के रूप में देखा गया। भाषाई राज्य तथा इन राज्यों के गठन के लिए चले आन्दोलनों ने लोकतांत्रिक राजनीति तथा नेतृत्व की प्रकृति को बुनियादी रूप से बदला है। भाषाई पुनर्गठन से राज्यों के सीमांकन के लिए एक समरूप आधार भी मिला। इससे देश की एकता और ज्यादा मजबूत हुई। भाषावार राज्यों के पुनर्गठन से विभिन्नता के सिद्धान्त को स्वीकृति मिली। लोकतंत्र को चुनने का अर्थ था विभिन्नताओं को पहचानना तथा उन्हें स्वीकार करना। अतः भाषाई आधार पर नए राज्यों का गठन करना एक लोकतांत्रिक कदम साबित हुआ।

अथवा

भारत विभाजन में निम्नलिखित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा

(i) भारत - पाकिस्तान में विभाजन का आधार धार्मिक बहुसंख्या को बनाया जाना तय हुआ अर्थात् जिन क्षेत्रों में मुसलमान बहुसंख्यक थे वो क्षेत्र पाकिस्तान के भू - भाग होंगे और शेष हिस्से भारत कहलायेंगे। इसमें कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ा। ब्रिटिश भारत में कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं था जहाँ मुसलमान बहुसंख्यक हों। ऐसे दो क्षेत्र थे जहाँ मुसलमानों की आबादी अधिक थी। एक क्षेत्र पश्चिम में व दूसरा पूर्व में। ऐसा कोई तरीका नहीं था कि इन दोनों क्षेत्रों को जोड़कर एक स्थान पर कर दिया जाए। इसे देखते हुए फैसला हुआ कि पाकिस्तान में दो क्षेत्र सम्मिलित होंगे अर्थात् पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान तथा इसके बीच में भारतीय भूमि का विस्तार रहेगा।

(ii) मुस्लिम बहुल प्रत्येक क्षेत्र पाकिस्तान में मिलने को सहमत नहीं था। खान अब्दुल गफ्फार खान पश्चिमोत्तर सीमा प्रान्त के निर्विवाद नेता थे। उन्होंने द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त का विरोध किया लेकिन उनके विरोध को अनदेखा कर पश्चिमोत्तर सीमा प्रान्त को पाकिस्तान में सम्मिलित कर लिया गया।

(iii) ब्रिटिश भारत के मुस्लिम बहुल प्रान्त पंजाब व बंगाल में अनेक हिस्से बहुसंख्यक गैर मुस्लिम जनसंख्या वाले थे। ऐसे में फैसला हुआ कि दोनों प्रान्तों में भी बँटवारा धार्मिक बहुसंख्यकों के आधार

पर होगा और इसमें जिले अथवा उससे निचले स्तर के प्रशासनिक हलके को आधार माना जाएगा। 14 - 15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि तक यह फैसला नहीं हो पाया था। फलस्वरूप अनेक लोगों को यह पता नहीं था कि वे भारत में हैं या पाकिस्तान में।

(iv) भारत - पाकिस्तान सीमा के दोनों ओर अल्पसंख्यक थे। जो क्षेत्र पाकिस्तान में थे वहाँ लाखों की संख्या में हिन्दू-सिख आबादी थी। ठीक उसी प्रकार पंजाब व बंगाल के भारतीय भू - भाग में लाखों की संख्या में मुस्लिम आबादी थी। इन लोगों ने पाया कि वे तो अपने ही घर में विदेशी बन गये हैं। लोगों को देश के बँटवारे की जानकारी मिलते ही दोनों ओर - अल्पसख्यकों पर हमले होने लगे। हिंसा की घटनाएं बढ़ गईं। दोनों ओर के अल्पसंख्यकों के पास एक ही रास्ता बचा था कि वे अपने - अपने घर-बार छोड़ दें।

(v) भारत भूमि के भीतर जूनागढ़ व हैदराबाद की मुस्लिम रियासतें थी जो पाकिस्तान में शामिल होने या स्वतंत्र रहना चाहती थी। इन रियासतों को सैनिक बल के आधार पर भारत में शामिल किया गया।

UTKARSH CLASSES

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan कर आज ही 'उत्कर्ष एप' डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• LIVE & Recorded Classes • English & Hindi Medium

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com